

## राम बिना कोई नहीं अपना

राम बिना जगत में,  
कोई नहीं है अपना रे,  
सच केवल राम है,  
बाकी जग झूठा सपना रे,  
राजीव मुझसे रहें राम राजी,  
ऐसा कर्म मुझे करना है,  
जहाँ धर्म है सत्य है,  
मुझे उसी डगर पे चलना है,  
राम बिना जगत में,  
कोई नहीं है अपना रे....

मुझ पर मेरे राम की कृपा है,  
जो अब तक मैं संभला हूँ,  
सदा सर्वदा संकटों से,  
ले नाम राम का निकला हूँ,  
राम मेरे मैं हूँ राम का,  
फ़िकर भला क्यूँ करना रे,  
है नाम राम का सुखदाई,  
सदा राम को भजना रे,  
राम बिना जगत में,  
कोई नहीं है अपना रे....

राम शरण में जब से हूँ आया,  
बिन मांगे सब है पाया,  
दुखों का साया होगा क्यूँ,  
मुझ पे है जो राम का साया,  
जहाँ राम हैं यश वहीं है,  
मधुर वहीं जीवन रसना रे,  
राम हृदय में बसे हैं मेरे,  
मुझे राम चरणों में बसना रे,  
राम बिना जगत में,  
कोई नहीं है अपना रे,  
राम बिना जगत में,  
कोई नहीं है अपना रे.....

© राजीव त्यागी नजफगढ़  
रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31334/title/ram-bina-koi-nahi-apna>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |